(क) हाल ही में जिन डाकुओं ने आत्म समर्पण किया था उनसे सरकार को किस प्रकार के हथियार मिले हैं;

(ख) क्या सरकार ऐसा समझती है कि इस क्षेत्र के सभी डाकुओं ने आत्म समर्पण कर दिया है;

(ग) यदि नही, तो कितने डाकू और शेष रह गये है; और

(घ) क्या सरकार यह अनुभव करती है कि इस क्षेत्र के डाकुओ के आत्म समर्पण से डाकू समस्या हल हो गई ?

गृह मंत्रालय में उपमंत्री (श्री एफ० एच० मोहसिन) . (क) डाकुओ द्वारा आत्म सम्पर्ण के समय जो हथियार समर्पित किए गये है उनमे .303 राइफले, स्वय भरी जान वाली राइफले, स्टेनगने, 12 बोर की बन्दूके तथा थोमप्सन मशीन कारबाइन्स (टी० सी० एम०) सम्मिलित है ।

(ख) जी नही, श्रीमान् ।

(ग) मोटे तौर पर 208 पंजीकृत डाकू अभी फरार हैं ।

(घ) जी नही, श्रीमान् ।

दस पैसे के पुराने सिक्कों की कमी और नये सिक्कों के प्रचलन के कारण सार्वजनिक टेलीफोन घरों पर कठिनाइयां

5652. **श्री चन्दूलाल चन्द्राकर** : क्या संचार मंत्री यह बतलाने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या दस पैसे के नए सिक्कों के प्रचलन से सार्वजनिक टेलीफोन घरों पर, जहां दस पैसे के दो पुराने सिक्के डालने पड़ते है, दस पैसे के पुराने सिक्कों की कमी के कारण लोगों को भारी कठिनाई का सामना करना पड़ता है;

(ख) क्या सरकार का इन सार्वजनिक टेलीफोनों को बदलने अथवा इनके साथ ऐसे दूसरे सार्वजनिक टेलीफोन लगाने का विचार है जिनमें नए सिक्के डाले जा सकें; और

(ग) यदि हां, तो इस दिशा में कब तक आवश्यक कार्यवाही की जायेगी ?

संचार मंत्री (श्री हेमवतीनन्दन बहुगुणा): (क) संभव है कि कुछ लोगो को ऐसी कठिनाई का सामना करना पड़ता हो ।

(ख) सरकार का विचार सभी सार्वजनिक टेलीफोनो के सिक्को के बक्स बदलने का है जिससे कि उनमें 10 पैसे के नये सिक्के डाले जा सके ।

(ग) 10 पैसे के नये सिक्कों का काफी प्रचलन हो जाने पर इस सबंध में आवश्यक कार्रवाई की जाएगी ।

दुर्ग जिले में टेलीफोन की सुविधा

5653. **श्री चन्दूलाल चन्द्राकर** : क्या संचार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) दुर्ग जिले के कितने कस्बो में टेलीफोन की व्यवस्था है;

(ख) गत दो वर्षों में टेलीफोन विभाग को कितनी आय हुई;

(ग) क्या उनमे से तीन चौथाई टेलीफोन केन्द्रो में टेलीफोन व्यवस्था ठप हो गई है; और

(घ) इस दिशा में सुधार के लिये सरकार का क्या कार्यवाही करने का विचार है ?

संचार मंत्री (श्री हेमवतीनन्दन बहुगुणा): (क) 17 कस्बों में । इनमें से 11 में टेलीफोन एक्सचेंज और 6 में लम्बी दूरी के सार्वजनिक टेलीफोन घर हैं ।

(ख) 10,35,857 रुपये ।

(ग) जी नहीं । 1971-72 में 5 एक्सचेंजों की क्षमता बढ़ा दी गई है और 1972-73 और 1973-74 में तीन अन्य एक्सचेंजों की क्षमता बढ़ाने का प्रस्ताव है।

(घ) प्रश्न ही नहीं उठता ।

USE OF ATOMIC ENERGY FOR PEACEFUL PURPOSES

5654. SHRI S.M. BANERJEE : Will the Minister of ATOMIC ENERGY be pleased to state:

(a) the steps taken by Government to use Atomic Energy for peaceful purposes in the country;

(b) whether any help in this regard is being sought from countries friendly to India; and

(c) if not, the reasons for the same?

THE PRIME MINISTER, MINISTER OF ATOMIC ENERGY, MINISTER OF ELECTRONICS, MINISTER OF HOME AFFAIRS AND MINISTER OF INFORMATION & BROADCASTING (SHRIMATI INDIRA GANDHI): (a) the required information is contained in the Annual Reports of the Department of Atomic Energy which were circulated to the Hon'ble Members.

(b) Collaboration agreements on peaceful uses of atomic energy have been entered into with a number of countries.

(c) Does not arise.

RULES FOR RECOGNITION OF TRADE UNIONS IN PUBLIC UNDERTAKINGS

5655. SHRI S.M. BANERJEE : Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) whether no fresh rules have been framed for recognition of Trade Unions in Government Undertakings;

(b) if so, whether the Central Government Employees Organisation will be taken into confidence before framing such Rules;

(c) whether this is also likely to be discussed in the National Council of J.C.M.; and

(d) if not, the reasons for the same?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS AND IN THE DEPARTMENT OF PERSONNEL (SHRI RAM NIWAS MIRDHA) : (a) to (c). Rules for recognition of trade unions exist in the Railways and in the Ministry of Defence installations. The Central Civil Services (Recognition of Service Associations) Rules, 1959 under which Service Associations of Government servants could be recognised became inoperative on account of a Supreme Court judgment in 1962. The question of framing fresh recognition rules is, therefore, under consideration and the principles underlying the proposed rules will be discussed in the National Council of the Joint Consultative Machinery on which the various Unions/Associations of Government servants recognised for the purposes of the JCM Scheme are represented.

(d) Does not arise.

PLIGHT OF SHRIMATI RASOOLAN BAI EXPONENT OF THUMRI

5656. SHRI S.M. BANERJEE: Will the Minister of INFORMATION AND BROADCASTING be pleased to state:

(a) whether her attention has been invited to the Press news in *Times of India* recently regarding the sad plight of one of the greatest exponents of *Thumri* Songs, Shrimati Rasoolan Bai, who is facing starvation;

(b) if so, the steps taken by Government to provide her with pension; and

(c) whether any help has been given to her by the Prime Minister.

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING (SHRIMATI NANDINI SATPATHY) : (a) Yes, Sir.